



23

न्यू मीडिया का लक्षित वर्ग समूह

पिछले पाठ में हम यह चर्चा कर चुके हैं कि न्यू मीडिया का प्रयोग मुख्यतः युवा वर्ग करता है। दरअसल यह वर्ग कम्प्यूटर में पारंगत है एवं इसकी मदद से काम करना युवाओं के लिए रुचिकर है। आज जब हम पूरे देश की शहरी आबादी को देखें तो पायेंगे की 12–25 आयु वर्ग के लोग अपना ज्यादातर समय कम्प्यूटर अथवा मोबाइल फोन पर बिताते हैं। मजेदार बात यह है ये लोग इंटरनेट के जरिये एक-दूसरे के संपर्क में ज्यादा रहते हैं। परन्तु आजकल अभिभावकों, शिक्षकों एवं मनोविज्ञानियों के लिए चिंतनीय विषय यह है कि युवाओं के लिए बीच अन्तरवैयक्तिक संचार कम हुआ है एवं इसके लिए वह तकनीक को दोषी मानते हैं।



उद्देश्य

इस अध्याय को पढ़ने के बाद आप निम्नलिखित कार्यों में निपुण होंगे:—

- न्यू मीडिया के मुख्य उपभोक्ताओं की पहचान;
- युवाओं को आकर्षित करने हेतु न्यू मीडिया द्वारा उपयोग में लाये जाने वाले रचनात्मक तत्वों का विश्लेषण;
- अन्तरवैयक्तिक सम्बन्धों पर न्यू मीडिया के दुष्परिणामों की व्याख्या;
- न्यू मीडिया के क्षेत्र में व्यावसायिक अवसर की पहचान।



टिप्पणी

23.1 युवा वर्ग समूह

न्यू मीडिया सिर्फ युवाओं से ही क्यों मुखातिब रहता है? इसका सीधा—सा कारण है कि युवा अपना समय कम्प्यूटर के साथ ज्यादा बिताते हैं। साथ ही प्रतिस्पर्धा के इस दौर में युवाओं को हर तरह से सूचनाओं से लैस रखा जाता है। अतः युवाओं का कम्प्यूटर एवं अन्य न्यू मीडिया माध्यमों के जरिये सूचना तक पहुँच अति आवश्यक है।

यदि आप सूचना अतिरेक से मुखातिब हैं, तो यह प्रायः आपको भ्रमित कर देती है। इसे सूचना अतिभार कहते हैं। हमारे अधिकांश युवा आज एक समस्या से परेशान हैं जिसे सूचना थकान कहा जाता है। चूँकि उनके पास अत्यधिक सूचना है अतः उनके लिए इसका प्रयोग कठिन हो जाता है। यह सूचना थकान के रूप में अवसान की एक अवस्था का कारण बनता है। इससे बचने के लिए सूचना का उपयोग काफी सोच—विचार कर करना चाहिए। बजाय सभी क्षेत्र की जानकारी हासिल करने के रुचिकर क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा जानकारी हासिल करनी चाहिए एवं जब भी सूचना का अंबार लगा हो तो अपने मतलब की सूचना का ही चुनाव करना चाहिए। अर्थात् हमेशा सूचना को उसके महत्व के आधार पर विभाजित करके चुनना चाहिए जैसे 'अति महत्वपूर्ण', 'महत्वपूर्ण', 'आवश्यक', 'गैर—जरूरी'।

दूसरी समस्या यह है कि ज्यादा सूचना होने का यह मतलब नहीं है कि उस व्यक्ति के पास तर्क एवं विश्लेषण की अधिक क्षमता हो। आजकल ज्यादातर अध्यापक शिकायत करते हैं कि युवा पाठकों के पास अधिक सूचनाएँ होती हैं। परन्तु वे इस पर चर्चा नहीं कर पाते। ऐसा इसलिए क्योंकि सूचनाओं का ये कच्चा माल तब तक ज्ञानवर्धक नहीं होता जब तक ये पता नहीं हो कि उसे कैसे उपयोग में लाया जाय।



चित्र 23.1: कम्प्यूटर लैब में काम करते लोग



23.2 रचनात्मकता एक कारक के रूप में

न्यू मीडिया के प्रति युवाओं के आकर्षित होने का मूल कारण है इसकी कहानीकार के भांति लेखन शैली। हम सभी कहानियाँ सुनना पसंद करते हैं। अतः कहानी की शैली में लेखनी को संचार का सबसे शक्तिशाली रूप माना जाता है। यह शैली मीडिया जगत में नई नहीं है। प्रिंट माध्यम में पत्रकार जब भी लोगों का ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं, तो इस शैली का उपयोग खुलकर करते हैं।

आप जब पत्रकारिता के इतिहास को पढ़ेंगे तब आपको पता चलेगा कि इसमें कुछ भी नया नहीं है। 60 के उत्तरार्द्ध में कथात्मक शैली में लेखन का उपयोग सर्वप्रथम अमेरिका में हुआ था। इस प्रवृत्ति को 'नई पत्रकारिता' के नाम से जाना जाने लगा। इसकी शुरुआत की थी 'टॉम वोल्फ' ने। परंतु यह परंपरा अधिक दिनों तक चल नहीं पाई। न्यू मीडिया के आने से इस प्रवृत्ति की शुरुआत फिर से हो रही है।

पाठ्य सामग्री को रोचक बनाने के लिए हर कहानी को खंडों में विभाजित किया जाता है क्योंकि एक साथ लंबी कहानी को पढ़ना मुश्किल होता है जबकि खंडों में विभाजित कहानी पढ़ने एवं समझने में आसान होती है। इसलिए न्यू मीडिया के लिए कहानी टुकड़ों में लिखी जाती है एवं उसे मल्टीमीडिया रूप में प्रस्तुत किया जाता है। हर नई कहानी वेबसाइट के आमुख पृष्ठ पर प्रमुखता से दर्शायी जाती है एवं इसके साथ आकर्षक दृश्य एवं संक्षिप्त विवरण भी दिया जाता है। मुख्य कहानी को संक्षिप्त एवं सटीक रखा जाता है। जबकि दूसरी कहानियों को कहानी की शैली में लिखा जाता है। इनमें से अधिकांश कहानियाँ मानवीय पहलुओं पर आधारित होती हैं।

युवाओं को आकर्षित करने के लिए न्यू मीडिया लेखक हमेशा चीजों को अलग तरीके से करना चाहते हैं, कुछ इसी तरह से जिसे रचनात्मकता के जनक एडवर्ड डि बोलो ने 'लीक से हटकर सोच' के रूप में स्पष्ट किया है। उनकी कुछ पुस्तकों को पढ़ने की कोशिश करें। आपको हो सकता है कि वे रोचक लगें।



पाठगत प्रश्न 23.1

निम्नलिखित युग्मों को मिलाएं—

- | | | |
|------------------------------|---|----------------|
| 1. सूचना अतिभार | — | एडवर्ड डी बोनो |
| 2. सूचना के उपयोग में समस्या | — | टॉम वोल्फ |
| 3. नई पत्रकारिता | — | सूचना अतिभार |
| 4. रचनात्मकता के जनक | — | सूचना थकान |



टिप्पणी

23.3 न्यू मीडिया एवं अन्तर वैयक्तिक सम्बन्ध

आइये, श्रीमती माधवन के पास चलें। श्रीमती माधवन एवं उनके जैसे अनेकों अभिभावकों को न्यू मीडिया से बहुत शिकायत है। आदित्य के पिता श्री माधवन यह सुनकर परेशान हो जाते हैं कि बच्चे खेलने बाहर नहीं जाते। वे अपने बचपन के दिन को याद कर बड़े गर्व से बताते हैं कि वे हर शाम गली में खेला करते थे। इसी कारण वे आज भी सामाजिक रूप से सक्रिय हैं। वे इस बात से परेशान हैं कि बच्चे अपना ज्यादातर समय कम्प्यूटर के सामने बैठकर अथवा टेलीविजन देखकर बिताते हैं। वे अपने मित्रों से बात तो करते हैं परन्तु बिना मिले। वे कम्प्यूटर पर चैटिंग के दौरान उनसे बातें करते हैं। वे लोगों से बात करना नहीं सीख रहे जिससे आगे चलकर उनमें आत्मविश्वास की कमी हो सकती है।

लोगों से बात करने एवं उन्हें सुनने से व्यक्तित्व का विकास होता है और जब हम लोगों से बात करते हैं तब हमें इसकी जरूरत पड़ती है। मानव समाज में रहता है। इसका अर्थ यह है कि वह अकेला सब कुछ नहीं कर सकता। उसे बोलने, सुनने एवं दुःख-दर्द बाँटने वाला चाहिए। अन्यथा वह संन्यासी तो हो सकता है परन्तु गृहस्थी में वह असफल होता है। एक बड़ी रोचक फिल्म थी 'मित्र-माई फ्रेंड' इसमें भी यही दिखाया गया था कि किस प्रकार दो लोग इंटरनेट पर बातें करते थे। एक-दूसरे को जाने बगैर और जब वे अंत में मिले तो पता चला कि वे दोनों पति-पत्नी हैं।

अतः इंटरनेट एवं न्यू मीडिया का क्या किया जाय? हमें जरा सी सावधानी बरतने की जरूरत है। हमें कम्प्यूटर के पीछे दीवानगी त्यागनी होगी। साथ ही लोगों से कटकर अपनी हर शाम मशीन के पीछे बिताना छोड़ना होगा। बहुत से विद्यालयों में शिक्षक अभिभावकों को सलाह देते हैं कि वे बच्चों के टेलीविजन देखने के समय का ध्यान रखें, कुछ ऐसा ही इंटरनेट के लिए करना होगा।



पाठगत प्रश्न 23.2

निम्नलिखित वाक्यों में से सही अथवा गलत बताएं—

1. जब हम लोगों से बात करते हैं तो हमारा व्यक्तित्व निखरता है।
2. न्यू मीडिया ने बच्चों के बातचीत के अंदाज को प्रभावित किया है।
3. हम अपने दोस्तों से कम्प्यूटर के जरिये बात कर सकते हैं।
4. अच्छा अन्तर वैयक्तिक कौशल आदमी के व्यक्तित्व को निखारने में सहायक होता है।
5. आज बच्चों को सबसे ज्यादा सामाजिक रूप से सक्रिय पाया जाता है।



क्रियाकलाप 23.1

1. एडवर्ड डी. बोनो की जीवनी से सम्बन्धित जानकारी इंटरनेट से एकत्रित करें एवं रचनात्मकता के विकास में उनके योगदान पर छोटी सी रिपोर्ट तैयार करें।
2. अपने साथियों एवं कक्षा मित्रों से बात करें एवं न्यू मीडिया के उपयोग पर उनके विचार जानने की कोशिश करें।
3. कुछ नये वेबसाइट को ध्यानपूर्वक पढ़ें एवं ऐसे गद्यों का चुनाव करें जिन्हें कहानी की शैली में लिखा गया हो। आप उन्हें अपने स्कैपबुक में चिपकायें।



टिप्पणी

23.4 न्यू मीडिया एवं व्यवसाय के अवसर

न्यू मीडिया के साथ एक नयी व्यावसायिक युक्ति का जन्म हुआ है। अनेक लोगों का मानना है कि यह नए व्यवसाय को शुरू करने में मददगार हो सकता है। जैसा कि हम सब जानते हैं नए व्यवसाय की शुरुआत में काफी पैसे की जरूरत होती है पर न्यू मीडिया आधारित उद्योग अलग होते हैं। अखबार अथवा पत्रिका निकालना खर्चीला हो सकता है पर न्यू मीडिया खर्चीला नहीं है।

औद्योगिक क्षेत्र में आप जानते हैं कि बड़े-बड़े औद्योगिक प्रतिष्ठानों के साथ-साथ लघु औद्योगिक इकाइयाँ भी होती हैं। इन्हें लघु उद्योग इकाई कहा जाता है। न्यू मीडिया उपक्रमों को लघु उद्योग इकाई की श्रेणी में रखा जा सकता है। क्योंकि इससे सम्बन्धित व्यवसाय में बहुत ज्यादा पैसों की जरूरत नहीं होती परंतु रचनात्मकता की सबसे ज्यादा जरूरत होती है यानी कार्य को अलग तरीके से करने का सामर्थ्य।

भारत में कई ऐसे उपक्रम कुछ वर्ष पहले खुल चुके हैं। कुछ युवाओं ने एक छोटे से कमरे से शुरू कर अपनी एक अलग पहचान बनाई है। उन्होंने विशिष्ट वेबसाइट की शुरुआत की जो यात्रा एवं रिहाइश इत्यादि विषयों पर आधारित हैं। विशिष्ट वेबसाइट क्या है? विशिष्ट वेबसाइट वैसे वेबसाइट हैं जिनकी सामग्री किसी खास विषय पर आधारित है जैसे—यात्रा, स्वास्थ्य, खेल इत्यादि। ये छोटी इकाइयाँ बड़ी कंपनी बन गईं एवं इन्होंने कई लोगों को नौकरी देकर अपना कारोबार बढ़ाया।

जब आप न्यू मीडिया के व्यावसायिक पक्ष के बारे में पढ़ेंगे जिसका जिक्र विस्तार से अगले पाठ में किया गया है तो जानेंगे कि एक न्यू मीडिया उद्योग को खड़ा करने के लिए अत्यधिक ऊर्जा की जरूरत होती है। यही कारण है कि न्यू मीडिया न केवल वहनीय है अपितु आसानी से पहुँचने वाला भी है। जो ई-लर्निंग प्रक्रिया जानते हैं उन्हें घर बैठे काम भी मिल जाते हैं। उन्हें फ्रीलांसर कहा जाता है। इसमें खर्च सिर्फ वेबसाइट डिजाइन एवं उसके लिए इंटरनेट पर जगह खरीदने में आता है।



टिप्पणी

जो लोग पर्यटन क्षेत्र, प्रापर्टी एवं खुदरा क्षेत्र में कार्य करते हैं वे डिजाइनर एवं प्रोग्रामर की मदद से वेबसाइट शुरू करते हैं। उनका पूरा व्यवसाय नेटवर्किंग के जरिये होता है जिसे वे इंटरनेट की मदद से करते हैं।

न्यू मीडिया के समक्ष सबसे महत्वपूर्ण विषय था वित्त की व्यवस्था करना अथवा आय अर्जन में सक्षमता। इसका एक उपाय विज्ञापन है। इसके अलावा कुछ युवाओं ने अन्य रास्ते सुझाए जैसे कान्टेंट बिक्र, सब्सक्रिप्शन, विशेष सेवाएँ इत्यादि। उदाहरणस्वरूप पर्यटन में काम कर रही एक कंपनी अपने ग्राहकों को छुट्टियाँ बिताने के लिए बेहतर सुविधाओं वाला ऑफर देती है। आजकल आम खरीददारी के लिए अनेकों साइट हैं। लोग अपनी यात्रा के लिए रेलवे एवं हवाई जहाज के टिकट इंटरनेट पर बुक कर सकते हैं। आप भी अनेक समान इंटरनेट के जरिये खरीद सकते हैं। जैसे आप खाने का आर्डर दे सकते हैं। आप किताबें खरीद सकते हैं। आप अपनी पुरानी कार इंटरनेट के जरिये बेच सकते हैं। इस तरह की सेवाएँ देने वाले लोग सेवा के बदले में पैसे लेते हैं। महानगरों में रहने वाले व्यस्त लोग इस प्रकार की सुविधाओं से लाभान्वित होते हैं।



क्रियाकलाप 23.2

1. भारतीय रेल अथवा एयर इंडिया के वेबसाइट को खोलें और उनके द्वारा अपने यात्रियों को दी जाने वाली योजनाएँ एवं सुविधाओं को सूचीबद्ध करें।



23.3 पाठगत प्रश्न

1. लघु उद्योग इकाई क्या है?
2. तीन ऐसे आइटमों की सूची बनाएँ जिन पर विशिष्ट वेबसाइट आधारित होते हैं।
 - (i)
 - (ii)
 - (iii)
3. कुछ ऑनलाइन साइटों को खोलकर देखें। उन साइटों की एक सूची बनाएँ। साथ ही उन वस्तुओं की सूची बनाएँ जो आपको पसंद आया हो।



23.5 आपने क्या सीखा?

→ युवा श्रोता



टिप्पणी

- सूचना अतिभार
- सूचना थकान

न्यू मीडिया

- रचनात्मकता एक कारक
- कथाशैली

न्यू मीडिया एवं अन्तर-वैयक्तिक सम्बन्ध

न्यू मीडिया एवं व्यवसाय के अवसर

- न्यू मीडिया उपक्रम
- लघु एवं मध्यम इकाई
- विशिष्ट वेबसाइट
- ऑनलाइन शॉपिंग साइट



23.6 पाठान्त प्रश्न

1. अंतर-वैयक्तिक गुण क्या है? आपको ऐसा क्यों लगता है कि अंतर-वैयक्तिक गुण प्रभावित हो रहे हैं?
2. न्यू मीडिया बड़े उद्योगों की श्रेणी में है अथवा लघु उद्योग की श्रेणी में है? अपने उत्तर के पक्ष में कारण भी बतायें।
3. निम्नलिखित के ऊपर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें—
(i) विशिष्ट वेबसाइट (ii) ऑनलाइन शॉपिंग साइट



23.7 पाठगत प्रश्नों के उत्तर

- 23.1 (i) सूचना अतिभार
(ii) सूचना थकान
(iii) टॉम वोल्फ
(iv) कथाशैली



टिप्पणी

(v) एडवर्ड डि बोनो

23.2 (i) बातचीत एवं सूचना अन्तर-वैयक्तिक गुणों के अंग हैं। जब हम लोगों से बात कर रहे होते हैं तो हमें इनको विकसित करना चाहिए।

(ii) कंपनियाँ अच्छे अन्तर-वैयक्तिक गुणों पर ध्यान देती हैं क्योंकि इससे ही एक अच्छी टीम का निर्माण होता है।

(iii) सही। हम अपने दोस्तों से कम्प्यूटर के जरिये बात कर सकते हैं।

(iv) हाँ। क्योंकि इससे व्यक्ति का साहस बढ़ता है।

(v) अच्छी बातचीत के गुण से हम अच्छे मानव सम्बन्धों का निर्माण कर सकते हैं।

23.3 1. लघु इकाई वह है जहाँ अत्यधिक धन की लागत नहीं होती। जैसे न्यू मीडिया उपक्रम।

2. (i) यात्रा (ii) स्वास्थ्य (iii) पर्यटन

3. समझ के आधार पर उत्तर निर्भर होगा।